बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - २

दोपहर २:०० से ५:००] (रविवार, १५ जुलाई, २००१) कुल अंक : १००

सूचना : प्रश्न की दाहिनी तरफ उसके अंक दर्शाये गये हैं।

(विभाग - १ किशोर सत्संग प्रवीण)

प्र. १. निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्य किसने, किससे तथा कब कहे हैं यह लिखें। ६

१. ''सूर्यवंशी तो नहीं हो गये न ?''
२. ''इनको पहचानते हो ?''
३. ''तुम क्या समझकर रहोंगे ?''
४. ''यह तो गढ तो हमारे लिए जरूरी है ।''

प्र. २. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रसगों को कारण सहित समजाइए। (बारह पंकितयौं में) ८

१. महाराजने जेतलपुर की गणीका का मुक्तानंद स्वामी जैसा कल्याण किया।
२. बंगाल के आश्रम के महंत द्वारिका की यात्रा के लिए निकले।
३. अलैया खाचर का हाथ तलवार पर गया।
४. श्रीजीमहाराज ने सूरा खाचर को 'जति' कहा।

प्र. ३. निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर विवरण लिखिए। (बारह पंक्तियों में) ८

१. मूलजी और कृष्णजी।
२. भक्तिचिंतामणि और हरिलीलामृत।
३. जेठा मेर।
४. अद्‌भुतानंद स्वामी।

प्र. ४. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर एक वाक्य में लिखिए। ६

१. 'जनमंगल स्तोत्र' के रचयिता कौन है ?
२. आत्यांतिक कल्याण कब होता है ?

३. उपासना अर्थात् क्या ?
४. नित्यतीर्थ अर्थात् क्या ?
५. शास्त्रीजी महाराज लीलाचिंतामणि और घ्यानचिंतामणि की महिमा के बारे में क्या कहते हैं ?
६. अष्टांग योग के आठ अंगों के नाम लिखे।

प्र. ५. निम्नांकित स्वामीकी बात पूर्ण कर के विवरण लिखिए अथवा वचनामृत का निरूपण करें। ५

भगवान जीव के अपराध के सामने .....

अथवा

गढ़डा प्रथम प्रकरण का ५४ वां .....

प्र. ६. निम्नांकित में से किसी एक विषय पर संक्षिप्त विवरण लिखिए। (पन्द्रह पंक्तियों में) ५

१. सोमला खाचर।
२. आज्ञा।
३. रामबाई।

प्र. ७. निम्नांकित में से किन्हीं तीन कीर्तन/श्लोक/अष्टक की पंक्तियाँ को पूर्ण कीजिए। ६

१. सद्‌ग्रन्थ नित्य ..... शरणं प्रपद्ये।
२. व्हाला तारुं रूप अनुपम गौर ..... डोलता रे लोल।
३. गालिदानं ..... हितं च तैः।
४. देशो मा प्रभु जक्त मोटाई ..... जे कर्मने गाय।
५. कल्पतरु सर्वना ..... उपासना सौथी मोटी।

(विभाग - २ गुणातीतानन्द स्वामी)

प्र. ८. निम्नलिखित में से किन्हीं दो अवतरण, किसने, किसको तथा कब कहा है यह लिखिए। ६

१. ''बेटी के बाप ! महाराज को क्यों पकड़ा है ? छोड़ दो।''
२. ''ध्यान करते हो या कुछ सोचते हो।''
३. ''यह तो, सारा दिन तुम्ही को ही रटते हैं ।''
४. ''साधु जिमनेवाले अच्छे हैं ।''

प्र. ९. निम्नलिखित में से किन्हीं दो को कारण सहित समझाइए।
(बारह पंकितयोँ में) ८

१. *मूलजी खेत में से सीधे गढ़डा के रास्ते पर चलने लगे।*
२. *आत्मानंद स्वामी ने स्वामी को प्रसादी नहीं भेजी ।*
३. *गुणातीतानंद स्वामी ने गानविद्या सिखने के लिए इन्कार कर दिया।*
४. *रघुवीरजी महाराज की ग्रंथियाँ पिघल गई।*

प्र. १०. निम्नांकित में से किन्हीं दो विषयों पर विवरण लिखिए। (बारह पंक्तियों में) ८

१. *एक जोगी ही मेरा कहना परिवर्तित कर सकते हैं ।*
२. *'संत पारस चंदन बावना।' (किन्हीं दो प्रसंग)*
३. *असीम श्रद्धा।*
४. *भक्तवत्सल।*

प्र. ११. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए। ५

१. *महाराज के साथ स्वामी का प्रथम मिलाप कहाँ हुआ था?*
२. *कारियाणी में श्रीजीमहाराज स्वामी को कितनी बार भेंटे ?*
३. *राधारमण देव की प्रतिष्ठा कर के महाराज ने सतों हरिभक्तों को क्या आज्ञा की ?*
४. *गुणातीतानंद स्वामी ने उगा खुमाण के लिये क्या संकल्प किया ?*
५. *श्रीजीमहाराज ने रघुवीरजी महाराज को स्वप्न में दर्शन देकर क्या कहा ?*

प्र. १२. निम्नलिखित किन्हीं दो प्रसंगों का वर्णन कर के भावार्थ लिखिए।
(बारह पंक्तियों में) ८

१. *तुम्हारे में अखंड रहा हूँ।*
२. *नि:स्वादी बनाया ।*
३. *सेवावृत्ति।*
४. *नमकीले जीव को मीठा बनाया।*

(विभाग - ३ 'सत्संग परिचय' परीक्षा की पुस्तकों पर आधारित)

प्र. १३. निम्नांकित में से किन्हीं तीन विषयों पर विवरण लिखिए।
(बारह पंक्तियों में) २१

१. *यह कीचड़ नहीं चंदन है।* **अथवा** *कबूतर के कबूतर।*
२. *दादा खाचर का समर्पण।* **अथवा** *आत्मनिष्ठ अयोध्याप्रसादजी महाराज।*
३. *गोरधनभाई।* **अथवा** *दामोदरभाई।*
४. *संतत्व की कला।* **अथवा** *अक्षरज्ञान का उद्‌घोष।*